FULL STOP - 13

➢➢ यग्य में 5 प्रकार की आत्माएं

➳ _ ➳ वर्णन करते हैं पर अनुभव नहीं है

→ कभी बहुत पहले किये हुए अनुभवों के आधार पर वर्णन करते हैं पर वर्तमान में अब अनुभव नहीं होते

➳ _ ➳ अनुभव हैं पर वर्णन करने का अभ्यास नहीं

→ वर्णन करने का अभ्यास / क्षमता नहीं

➳ _ ➳ 50% अनुभव 50% वर्णन

→ अनुभव बहुत ज्यादा नहीं हो रहे... पर जितने भी हो रहे हैं... उसे बहुत अछे से समझा सकते हैं...

➳ _ ➳ 100% अनुभव 100% वर्णन

→ अनुभव भी बहुत गहरे हो रहे हैं ... और वर्णन में भी तेज है

➳ _ ➳ 100% अनुभव पर वर्णन करने की इच्छा नहीं

→ वर्णन करने की शमता तो है पर वर्णन करने की इच्छा नहीं

→ आत्मा मौन की गहराई में उतर रही है ...

→ शब्द बहुत छोटे लगने लगते हैं

➢➢ धर्म अर्थात अनुभव

➳ _ ➳ अनुभवों से धारणाओ का पालन करना यथार्थ धर्म है

➢➢ अनुभव का आधार क्या है ?

➳ _ ➳ जब गहरा भावना / प्यार होगा

→ जितना गहरा प्यार ... उतना गहरा अनुभव

➳ _ ➳ जित्ना गहरा निश्चय / विश्वास / श्रधा

➳ _ ➳ जितना गहरा समर्पण

→ पात्र (बुधी) पुरानी दुनिया की कीचड़े की बातों से जब खाली होगा... तब नया भरा होगा

→ Clean & Clear Intelect Is Must

➳ _ ➳ करत करत अभ्यास... जड़मति होत सुजान

→ छोटे छोटे अभ्यास होने पर रुको नहीं

➳ _ ➳ मौन / एकांत / अंतर्मुखता

→ बिना इन तीन चीजों के आप कभी SPIRITUAL नहीं बन सकते ... अन्यथा आप 10 साल के बाद भी वही रहेंगे जहां आप आज है

➳ _ ➳ बाबा की कृपा

→ उसकी कृपा से ही महान आत्माओं / श्रेष्ठ पुरुषार्थियों का संग मिलता है

➳ _ ➳ अनुभव होने के अहंकार से स्वय को मुक्त कीजिये

→ अनुभव का वर्णन तुरंत मत कीजिये ... पहले स्वयं को अछे से check कीजिये की कहीं आपको अनुभव होने का अहंकार तो नहीं आया ?

→ अनुभव का वर्णन मिर्च मसाला लगाकर बड़ा चडाकर मत कीजिये

Avyakt Murli Refrence :- Page Number 14 & 15 Of Full Stop Book

---